9/5/2020 8th L-I सुभाषितानि

(6) क्षमावशीकृतिर्लोके क्षमया किं न साध्यते ।
शान्तिखड्गः करे यस्य किं करिष्यति दुर्जनः ।

सरलार्थ

दुनिया में क्षमा जैसा कोई वशीकरण नहीं। ऐसा कोई कार्य नहीं है जो क्षमा से नहीं हो सकता। जिसके हाथ में शान्ति रूपी तलवार हो, दुर्जन (बुरे व्यक्ति) उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकते।

गृहकार्य → नोटबुक में लिखें ।

संख्यावाचक शब्दाः 1 से 20 तक

याद करें

1) एकः
2) द्वौ
3) त्रयः
4) चत्वारः
5) पञ्च
6) षट्
7) सप्त
8) अष्ट/अष्टौ
9) नव
10) दश

11) एकादश:
12) द्वादश:
13) त्रयोदश:
14) चतुर्दश:
15) पञ्चदश:
16) षोडश
17) सप्तदश:
18) अष्टादश:
19) नवदश:
20) विंशतिः